(A-6) SEAT No.________ No. of Printed Pages : 3

SARDAR PATEL UNIVERSITY
F.Y.B.A.(External) Examination
Wednesday, 2nd May-2018
10.00 to 01.00 P.M.
हिन्दी साहित्य पेपर-२ HIN-102
हिन्दी काव्य

कुल गुण-१००

सुचना : हिन्दी में शिरोरेखा देना अनिवार्य है ।

प्रश्न-१ ससंदर्भ व्याख्या कीजिए। (१४)

(अ) "देखी मैने आज जरा।
हो जावेगी क्या ऐसी ही मेरी याशोधरा?
हाय। मिलेगा मिट्टी में वह वर्ण-सुवर्ण खरा?
सूख जायगा मेरा उपवन, जो है आज हरा?
सौ सौ रोग खडे हों सम्मुख, पशु ज्यों बाँध परा,
धिक्! जो मेरे रहते, मेरा चेतन जाय चरा।
रिक्त मात्र है क्या सब भीतर, बाहर भरा भरा?
कुछ न किया, यह सूना भव भी यदि मैने न तरा।"

अथवा

(अ) "प्रछन्न रोग है, प्रकट भोग,
संयोग मात्र भावी वियोग।
हा लोभ-मोह में लीन लोग,
भूले है अपना अपरिणाम।
ओ क्षणभंगुर भव, राम राम।"

(आ) "स्वयं सुसज्जित करके क्षण में
प्रियतम को, प्राणो के प्रण में,
हमीं भेज देती हैं रण में,
क्षात्र-धर्म के नाते।
सखि, वे मुझसे कहकर जाते।"

अथवा

(आ) "सिद्धि-मार्ग की बाधा नारी। फिर उसकी क्या गति है?
पर उनसे पूछूँ क्या, जिन को मुझसे आज विरति है।
अर्ध विश्व में व्याप्त शुभाशुभ मेरी भी कुछ मति है।
मैं भी नहीं अनाथ जगत में, मेरा भी प्रभु पति है।
यदि मैं पतिव्रता तो मुझको कौन भार-भय-भारी?
आर्यपुत्र दे चुके परीक्षा, अब है मेरी बारी।"

प्रश्न-२ ससंदर्भ व्याख्या कीजिए। (१४)

(अ) "हिमाद्रि तुंग श्रृंग से,
प्रबुद्ध शुद्ध भारती
स्वयं प्रभा समुज्ज्वला
स्वतंत्रता पुकारती
अमर्त्य वीर-पुत्र हो, दृढ़ प्रतिज्ञ सोच लो,
प्रशस्त पुण्य पन्थ है, बढ़े चलो, बढ़े चलो।

(P.T.O.)

अथवा

(अ) "मृदु मिट्टी के बने हुए,
मधुघट फूटा ही करते है,
लघु जीवन लेकर आए है,
प्याले टूटा ही करते है,
फिर भी मदिरालय के अन्दर,
मधु के घट हैं, मधु प्याले हैं।"

(आ) "तो हमें स्वीकार है वह भी। उसी में रेत होकर
फिर छनेंगे हम। जमेंगे हम। कहीं फिर पैर टेकेंगे।
कहीं फिर भी खड़ा होगा नये व्यक्तित्व का आकार।
मातः उसे फिर संस्कार तुम देना।"

अथवा

(आ) "दुःख नहीं कोई कि अब उपलब्धियों के नाम पर,
और, कुछ हो या न हो, आकाश-सी छाती तो है।"

प्रश्न-३ 'यशोधरा' खंडकाव्य के आधार पर 'यशोधरा' का चरित्र-चित्रण कीजिए। (१८)

अथवा

प्रश्न-३ प्रबन्ध काव्य के रुप में 'यशोधरा' काव्य का मूल्यांकन कीजिए।

प्रश्न-४ पठित कविताओं के आधार पर अज्ञेय की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। (१८)

अथवा

प्रश्न-४ 'दोनों ओर प्रेम पलता है' कविता का भावार्थ लिखिए।

प्रश्न-५ लघुत्तरी प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (१८)

(क) 'यशोधरा' काव्य के शीर्षक की सार्थकता।

अथवा

(क) 'यशोधरा' काव्य का उद्देश्य।

(ख) 'ले चल भुलावा देकर' काव्य का भावार्थ।

अथवा

(ख) 'मै हूँ' कविता में श्रम सौदर्य।

(contn..)

प्रश्न-६ अति लघुत्तरी प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (किन्हीं अठारह) (१८)

(१) हिन्दी साहित्य में 'द्विवेदीयुग' का समय कहाँ से कहाँ तक है?
(२) मैथिलीशरण गुप्त की किस रचना से उन्हें राष्ट्र-कवि का गौरवपूर्व सम्मान प्राप्त हुआ?
(३) छायावाद का आदिकवि कौन माना जाता है?
(४) जयशंकर प्रसाद की तीन छायावादी रचनाओं के नाम लिखिए।
(५) 'जुही की कली' कविता में कवि का मुख्य स्वर क्या है?
(६) महादेवी वर्मा की चुनी हुई कविताएँ किस नाम से प्रकाशित है?
(७) 'ले चल भूलावा देकर' कविता का मुख्य स्वर क्या है?
(८) हालावाद से सम्बन्धित बच्चन की तीन काव्य-कृतियों के नाम लिखिए।
(९) नदी ओर द्वीप से कवि का क्या तात्पर्य है?
(१०) हिन्दी में प्रयोगवाद के पुरस्कर्ता किसे माना जाता है?
(११) 'दुःख नहीं कोई' कविता का संदेश क्या है?
(१२) 'गीत फरोश' का अर्थ लिखिए।
(१३) धूमिल को किस तरह का कवि माना जाता है?
(१४) गुप्तजी के आराध्य देव कौन है?
(१५) सिद्धार्थ की पत्नी और पुत्र का क्या नाम था?
(१६) घर छोडते समय सिद्धार्थ किससे आशिर्वाद माँगते है?
(१७) सिद्धार्थ ने कहाँ और किस नदी के किनारे तपस्या आरम्भ की थी?
(१८) ज्ञान प्राप्त कर घर लौटने पर बुद्ध को यशोधरा ने किस चीज का दान किया था?
(१९) सिद्धार्थ को महाभिनिष्क्रमण की प्रेरणा कहाँ से मिली?
(२०) सिद्धार्थ के प्रस्थान के बाद यशोधरा किस कारण से दुःखी है और किस कारण से गौरव अनुभव करती है?